रायगढ़, मंगलवार
17.4.2018
पृष्ठ 8, मूल्य 3

साप्ताहिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी - अधिकार से न्याय तक जल्द दैनिक हो रहा है। जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

Web: www.nyaysakshi.com
4 में पढ़ें- देश-विदेश की खबरें ....
6 में पढ़ें- फिल्मी मनोरंजन ....
» वर्ष-2 » अंक - 20 »

अंतर्राष्ट्रीय खबर....

7 साल से चल रही जंग की दर्दनाक PHOTOS, किसी को भी कर देंगी इमोशनल

सीरिया अपने ही लोगों की जान लेने के बाद अब अमेरिका समेत दुनिया के बाकी देशों के निशाने पर है। ये देश पिछले 7 सालों से सिविल वॉर की आग में झुलस रहा है। हालांकि, इस जंग की शुरुआत कुछ मुट्ठीभर बच्चों के अरेस्ट से शुरू हुई थी, जिसने सेकंड वर्ल्ड वॉर के बाद अब तक के सबसे बड़े मानवीय संकट का रूप ले लिया। इस जंग में अब तक 400000 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। - 2011 से देशभर में शुरू हुए इस प्रदर्शन ने सीरिया में गृह युद्ध का रूप ले लिया। इस संघर्ष ने कभी वफादार मानी जाने वाली प्रेसिडेंट बशर अल-असद की आधी सेना को भी उनके खिलाफ कर दिया। - सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए सीरियन आर्मी के अफसरों के एक ग्रुप ने आर्मी छोड़कर अपनी फ्री सीरियन आर्मी बना ली। - प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग को लेकर हजारों की संख्या में जवानों ने सेना से अपना पद छोड़ दिया और असद सेना के खिलाफ गुरिल्ला वॉर छेड़ने की शपथ ले ली। - इसके बाद शुरू हुए युद्ध ने देश को तबाह करके रख दिया। इस जंग के बीच देश के कई हिस्सों में कब्जा जमाने वाले आतंकी संगठन आईएसआईएस ने बाकी कसर भी पूरी कर दी। - 2014 में वर्ल्ड बैंक ने अनुमान लगाया था कि हर चार में से पांच सीरियन गरीबी और बेरोजगारी में जी रहा है। 2011 में इनकी संख्या आबादी का 15 फीसदी थी, जो 2014 में 58 फीसदी हो गई। - यूनाइटेड नेशन के मुताबिक, सीरिया से करीब 40 लाख लोगों को देश छोड़ना पड़ा। वहीं, करीब 75 लाख की आबादी देश में ही विस्थापितों की जिंदगी जी रही है।

7 साल के बच्चे ने अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी पर फहराया तिरंगा

हैदराबाद , (आरएनएस)। सात साल के बच्चे ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसे सुनकर देश को फक्र होगा। हैदराबाद के सात साल के पर्वातारोही समन्यु पोथुराजु ने अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी पर फतह हासिल की है। पोथुराजु ने अफ्रीका के माउंट किलिमंजारो पर चढ़ाई कर तिरंगा फहराया है। पोथुराजु ने साबित कर दिखाया है कि अगर छोटी सी उम्र में भी हौसलों की उड़ान बुलंद हो तो, बड़ी सी बड़ी मुश्किलों की राह को भी आसानी से पार कर लिया जाता है। कहा जाता है कि अफ्रीका के तंजानिया के माउंट किलिमंजारो ऐसा पर्वत है जहां ठंड की वजह से अच्छे-अच्छे घबरा जाएं, सात वर्षीय पोथुराजु ने इस पर जीत हासिल कर देश का नाम रोशन किया है। दो अप्रैल को समन्यु पोथुराजु ने अपने कोच के साथ समुद्र तल से 5,895 मीटर ऊंचाई पर तिरंगा फहराया। अपनी इस जीत पर समन्यु ने कहा, 'जब मैंने चढ़ाई शुरू कि तब बारिश हो रही थी और रास्ता पत्थरों से भरा हुआ था। मैं डर गया था और मेरे पैरों में तेज दर्द भी हो रहा था, लेकिन मैंने थोड़ा सा आराम किया और फिर बाकी की चढ़ाई पूरी की। मुझे बर्फ बहुत पसंद है और इसलिए मैंने माउंट किलिमंजारो को चढ़ाई के लिए चुना। समन्यु को दक्षिण फिल्मों के अभिनेता पवन कल्याण बहुत पंसद हैं। उन्होंने कहा, 'मां ने मुझसे वादा किया था कि अगर मैंने विश्व रिकॉर्ड बनाने की कोशिश की तो वह मुझे पवन से मिलवाएंगी और अब मुझे इसका इंतजार है।'

मां-बाप की हो चुकी थी रोड एक्सीडेंट में मौत, फिर भी 4 साल बाद पैदा हो गया बच्चा

ऐसा कैसे हो सकता है कि मां-बाप के मरने के चार साल बाद भी बच्चे का जन्म हो गया। पहली बार में तो ये खबर झूठी लगती है। लेकिन चीन की ये कहानी एकदम सच्ची है। दरअसल, बच्चे के मां-बाप 2013 में एक रोड एक्सीडेंट में मारे गए थे। लेकिन उन्होंने इससे पहले ही अपने भ्रूण सुरक्षित रखवा लिए थे। वो चाहते थे कि उनका बच्चा आईवीएफ तकनीक से इस दुनिया में आए। कपल की मौत के चार साल बाद बच्चे के जन्म लेने की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। कपल के मौत के बाद आई ये दिक्कतें...- कपल की मौत के बाद उनके भ्रूण के इस्तेमाल को लेकर उनकी फैमिली ने लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी थी। - उनके भ्रूण को चीन के नानजिंग हॉस्पिटल में करीब माइनस 196 डिग्री टेम्प्रेचर पर रखा था। - कोर्ट ने कपल की मौत के बाद उनके भ्रूण पर अधिकार बच्चे के दादा-दादी और नाना-नानी को दे दिया। - फैमिली को भ्रूण तो मिल गया, लेकिन उसके बाद भी दिक्कतें कम नहीं हुई। हॉस्पिटल ने लगाई शर्त - जिस हॉस्पिटल ने कपल का भ्रूण संभाल रखा था, उसने शर्त लगाई कि दूसरा अस्पताल उसे संभाल कर रखेगा। - लेकिन मामला कानूनी होते देख कोई भी हॉस्पिटल उस भ्रूण को लेने को तैयार नहीं था।

नरेंद्र मोदी आज से 5 दिन के विदेश दौरे पर, 52 देशों के राष्ट्राध्यक्षों में से सिर्फ उन्हें लिमोजिन से सफर की इजाजत

नई दिल्ली.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पांच दिन के विदेशी दौरे पर स्वीडन और ब्रिटेन रवाना हो रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री कॉमनवेल्थ समिट में हिस्सा लेंगे। वैसे इस दौरे की बात करें तो मोदी का मुख्य कार्यक्रम ब्रिटेन में ही होगा। हालांकि, ब्रिटेन से पहले प्रधानमंत्री स्वीडन जाएंगे। यहां वो दोनों देशों के रिश्तों पर एक अहम बातचीत में हिस्सा लेंगे। मोदी जब कॉमनवेल्थ समिट के लिए लंदन में होंगे तो यहां उनके अलावा 51 और देशों के राष्ट्राध्यक्ष होंगे। खास बात ये है कि अकेले मोदी को इस समिट के दौरान लिमोजिन कार से सफर का मौका और इजाजत दी गई है। समिट में शामिल होने वाले बाकी नेता एक स्पेशल बस से सफर करेंगे। सेंट्रल हॉल वेस्टमिंस्टर में प्रोग्राम - मोदी बुधवार को लंदन के ऐतिहासिक वेस्टमिंस्टर सेंट्रल हॉल में एक खास प्रोग्राम में हिस्सा लेने वाले हैं। इस प्रोग्राम को 'भारत की बात, सबके साथ' नाम दिया गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री सोशल मीडिया के जरिए पूछे गए सवालों के जवाब देंगे। ये सवाल किसी एक देश के लोगों के ना होकर दुनियाभर से चुने जाएंगे। इस कार्यक्रम को यूरोप इंडिया फोरम ने आयोजित किया है। प्रधानमंत्री स्वीडन से सीधे लंदन पहुंचेंगे। ब्रिटिश पीएम से बातचीत - ब्रिटेन में मोदी का भव्य स्वागत किया जाएगा। इस दौरान ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थेरेसा मे से उनकी बातचीत होगी। इसके बाद एक और कार्यक्रम में दोनों नेताओं की मुलाकात होगी। - प्रधानमंत्री ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ से भी मुलाकात करेंगे। कॉमनवेल्थ मीटिंग में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहिद खकान अब्बासी और राष्ट्रपति ममनून हुसैन भी शिरकत करेंगे। लिमोजिन कार में सफर की इजाजत - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कॉमनवेल्थ समिट में आने वाले 52 देशों के प्रमुखों में से मोदी अकेले प्रधानमंत्री होंगे, जिन्हें वहां लिमोजिन कार से सफर करने की इजाजत होगी। अन्य देशों के नेता समिट के दौरान कोच (बस) से सफर करेंगे। 2009 के बाद से कॉमनवेल्थ समिट में हिस्सा लेने वाले नरेंद्र मोदी पहले भारतीय पीएम होंगे।

सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें : एयू

अफ्रीकी संघ आयोग (एयूसी) ने सीरियाई संकट का समाधान और उसकी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने के लिए वैश्विक शक्तियों का आह्वान किया। एयूसी के अध्यक्ष मौसा फाकी महमेत ने रविवार को जारी बयान में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल की निंदा की और साथ में सीरिया के लोगों के हित में देश के राजनीतिक समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही। एयू के बयान के मुताबिक, क्अफ्रीका को उम्मीद है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) विशेष रूप से परिषध के स्थाई सदस्य अपने मतभेदों को अलग रखकर यूएन चार्टर के अनुरूप वैश्विक शांति हासिल करने और मानवता की भलाई के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। गौरतलब है कि शनिवार सुबह अमेरिका के नेतृत्व में फ्रांस और ब्रिटेन ने सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। यह कार्रवाई सीरिया सरकार द्वारा कथित तौर पर रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल करने पर प्रतिक्रियास्वरूप की गई।

अब रूस पर नए प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका

सीरिया के कथित रसायनिक हमले को लेकर अमेरिका उसके सहयोगी रूस पर नए प्रतिबंध लगा सकता है। संयुक्त देश में अमेरिका की दूत निक्की हेली ने बोला कि इन प्रतिबंधों के जरिए उन कंपनियों को निशाना बनाए जाएगा जिन्होंने सीरिया के शासन को ये रसायनिक हथियार उपलब्ध कराए थे। हेली ने सीबीएस के प्रोग्राम फेस द नेशन को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ÷आप जल्द ही रूस पर लगने वाले प्रतिबंधों को देखेंगे। मंत्री (स्टीव) नूचिन सोमवार को इसकी घोषणा करेंगे, अगर उन्होंने अब तक घोषणा नहीं की है तो।14 अप्रैल को हुआ था हमला बताते चलें कि थीं । सीरिया के पूर्वी गोता के डौमा में कथित रूप से को लेकर अमेरिका ने पहले ही असद गवर्नमेंट को चेतावनी दी थी । इस हमले में बच्चों सहित 75 लोग मारे गए थे । इस चेतावनी के बाद सीरिया के विरूद्ध मिसाइल हमला किया गया । इस कार्रवाई के बाद अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने बोला कि हवाई हमलों ने सीरिया के रासायनिक हथियारों के भंडार को करारी चोट पहुंचाई, लेकिन अभी देखना है कि सीरिया कैसे जवाब देता है ।सीरिया में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद हुए मिसाइल हमले के बाद संयुक्त देश में अमेरिका की राजदूत निक्की हेली ने बोला कि अगर सीरिया फिर से रासायनिक हथियारों का प्रयोग करता है तो अमेरिका रिएक्शन के लिए पूरी तरह तैयार है । हेली ने बोला कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लक्ष्मण रेखा खींच दी है व अमेरिका सीरिया पर दबाव बनाए रखेगा । अमेरिका असद शासन को रासायनिक हथियारों का प्रयोग नहीं करने देगा ।निक्की हेली ने आरोप लगाया कि सुरक्षा परिषद व रूस रासायनिक हथियारों का प्रयोग करने वालों को जवाबदेह ठहराने के अपने कर्तव्य का निर्वहन करने में विफल रहे हैं ।

रोहिंग्या मुसलमानों के साथ अत्याचार हुआ हैः संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में मयंमार की सेना को पहली बार विश्व संस्था की ओर से सरकार और लाकू समूहों की बलैक लिस्ट में शामिल किया गया है, जिसकी वजह विवाद से घिरे क्षेत्र में कथित तौर पर रेप और अन्य शारीरिक शोषण के घटनाएं हैं।अमेरिकी न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गोटरेस की ओर से सुरक्षा परिषद को भेजी जाने वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व मेडिकल स्टाफ और बांग्लादेश में रहने वले लगभग 7 लाख रोहिंग्या मुसलमानों ने निशानदेही की है कि अधिकतर रोहिंग्या मुसलमानों को बेहद बूरे शारीरिक हिंसा और शारीरिक शोषण बनाया गया।संयुक्त राष्ट्र के महासचिव का कहना था कि यह घटनायें कथित तुअर पर म्यांमार सेना, जो टाटमाडा के नाम से जाने जाती है, उनकी ओर से अक्टूबर 2016 से अगस्त 2017 के अरसे में रोहिंग्या आबादी में लाकों के खिलाफ ऑपरेशन के बीच पेश आये। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने कहा कि बर्मा की सेना ने मुसलमानों के खिलाफ ऑपरेशन में शारीरिक हमलों, चरमपंथी और रोहिंग्या मुसलमानों को सामूहिक सडा देने का तरीका अपनाया जिसका मकसद था कि वह म्यांमार छोडकर विस्थापन करने पर मजबूर हो जाएँ।

चाइना की कठपुतली न बने पाकिस्तान : हुसैन हक्कानी

पाक के पूर्व राजनियक एवं ' पाक बिटवीन मॉस्क एंड मिलिटरी ' व ' इंडिया वर्सेस पाक व्हाई कान्ट वी जस्ट बी फ्रेंड्स ' के लेखक हुसैन हक्कानी ने बोला कि पाक को लड़ाकू राष्ट्र बनने के बजाय कारोबारी राष्ट्र बनना चाहिए व सुनिश्चित करना चाहिए कि वह चाइना की कठपुतली न बने। हक्कानी ने बताया कि पाक को इस बारे में विचार करने की जरूरत है कि आतंकवाद के संदिग्ध हाफिज सईद का समर्थन करना है या फिर अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता व सम्मान हासिल करने में से क्या ज्यादा जरूरी है। पहले से ही मजबूत चीन- पाकिस्तान संबंधों के व मजबूत होने के बीच हक्कानी ने जोर देकर बोला कि पाक को चाइना पर निर्भर रहने की तरफ नहीं जाना चाहिए व चाइना की कठपुतली बनने से दूर रहना चाहिए ।इस्लामाबाद को एक बड़ी शक्ति के साथ जुड़ने के खतरों के प्रति आगाह करते हुए उन्होंने बोला , पाक को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था ÷ बनने की जरूरत है । हक्कानी 2008 से 2011 तक अमेरिका में पाक के राजदूत थे ।

दिल्ली को न्यूयॉर्क जैसे आतंकी हमला से बचाने के लिए भारत का 'एडीएस' प्लान

नई दिल्ली जनता से रिश्ता वेबडेस्क देश की राजधानी दिल्ली में न्यूयॉर्क के 11 सितंबर जैसे हमला न होने पाए, इसके लिए भारतीय वायु सेना (IAF) ने अमेरिका से 6500 करोड़ रुपये की लागत वाले बहुस्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली (एडीएस) को लाने का एक प्रस्ताव तैयार किया है और जल्दी ही वह इसे आगे बढ़ाएगा। सरकारी सूत्रों ने हमारे सहयोगी प्रकाशन मेल टुडे को यह जानकारी दी है. इस प्लान के मुताबिक राजधानी के विभिन्न स्थानों पर मिसाइल नेटवर्क के पांच से छह यूनिट तैनात किए जाएंगे. इनके द्वारा शहर में चौतरफा और 360 डिग्री सुरक्षा मुहैया कराएगी जाएगी। गौरतलब है कि 11, सितंबर 2001 में अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर और दो अन्य जगहों पर हुए हमलों में इस्लामी आतंकियों ने कई यात्री विमानों का अपहरण कर लिया था और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर जैसे अमेरिकी ताकत के महत्वपूर्ण प्रतीकों पर हमला करने के लिए उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल किया था। एक सरकारी सूत्र ने बताया, 'एक अमेरिकी कंपनी से मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने के प्रस्ताव पर जल्दी ही रक्षा मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय बैठक में चर्चा की जाएगी. इसे यदि मंजूरी मिली तो 9/11 जैसे हमले रोकने के लिए यह सरकार से सरकार के बीच होने वाला सौदा होगा.' इस प्रणाली में कई तरह के मिसाइल शामिल होते हैं जिनसे विभिन्न अक्षांश और दूरी पर स्थित टारगेट को मार गिराया जा सकता है. इनमें अलग-अलग क्षमताओं के एडवांस मीडियम रेंज एयर टु एयर मिसाइल (AMRAAM) और स्टिंगर मिसाइल शामिल शामिल होते हैं सूत्रों के अनुसार अभी भारत में इस तरह की सुरक्षा के लिए रूसी एयर डिफेंस सिस्टम है जो कि कई दशकों से सेवा में है और अब काफी पुराना पड़ चुका है. इसकी जगह अमेरिका का उक्त मिसाइल ग्रिड ले सकता है ये मिसाइल एक साथ कई निशानों पर वार कर सकते हैं और इन्हें ऐसे रडार सिस्टम से जोड़ा जा सकता है, जो सैन्य और नागरिक, दोनों तरह के संगठनों के द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं।

तत्काल आवश्यकता है

न्यायसाक्षी समाचार-पत्र हेतु कम्पयूटर ऑपरेटर, सर्वे करने के लिए, बंडल कार्य हेतु, एवं रिपोर्टर/संवाददाता रायगढ़ एवं जशपुर जिले के लिए तत्काल चाहिए ... संपर्क करें...

न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास, रायगढ़ छ.ग.
मो. नं. 9039961090

ऑफसेट प्रिंटिंग - न्यूज पेपर प्रिंटिंग

वेस्ट जर्मनी की ऑफसेट मशीन *हेडलबर्ग* से 4 कलर की सभी तरह की प्रिंटिग होती है। प्रिंटिंग जॉब हेतु सम्पर्क करें....

न्यायसाक्षी प्रिंटर्स एण्ड प्रेस
श्रीराम कॉलोनी, स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास,
रायगढ़ छ.ग. मो. नं. 9589876400